दिल्ली सल्तनत इस्लामी राजवंशों की एक श्रृंखला थी जिन्होंने 13वीं से 16वीं शताब्दी तक भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। इसने उत्तर भारत में इस्लामी शासन की शुरुआत को चिह्नित किया और क्षेत्र की संस्कृति, समाज और शासन पर गहरा प्रभाव डाला। दिल्ली सल्तनत के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. स्थापना**:**

- दिल्ली सल्तनत की स्थापना तराइन की दूसरी लड़ाई के बाद 1206 ईस्वी में मुहम्मद गोरी के एक सेनापति कुतुब-उद-दीन ऐबक ने की थी। इसकी शुरुआत गुलाम वंश से हुई, जो 1290 तक चला।

2. राजवंश**:**

- दिल्ली सल्तनत ने अपने अस्तित्व के दौरान कई राजवंशों को देखा:
  - गुलाम वंश **(1206-1290):** कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा स्थापित।
  - खिलजी वंश **(1290-1320):** Founded by Jalal-ud-din Firuz Khalji.
  - तुगलक वंश **(1320-1414):** गियास-उद-दीन तुगलक द्वारा स्थापित।
  - सैय्यद राजवंश **(1414-1451):** Founded by Khizr Khan.
  - लोदी वंश **(1451-1526):** बहलूल खान लोदी द्वारा स्थापित।

3. प्रादेशिक विस्तार**:**

- दिल्ली सल्तनत ने अपने क्षेत्रों का विस्तार किया, जिसमें दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से शामिल थे।
- विशेष रूप से तुगलक वंश ने भारतीय इतिहास के सबसे बड़े साम्राज्यों में से एक पर शासन किया।

4. प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव**:**

- दिल्ली सल्तनत ने इस्लामी प्रशासनिक प्रथाओं, कानूनी प्रणालियों और फ़ारसी को आधिकारिक भाषा के रूप में पेश किया।
- इस काल में फ़ारसी संस्कृति और साहित्य का विकास हुआ।
- सुल्तानों ने वास्तुकला को भी संरक्षण दिया, जिससे दिल्ली में कुतुब मीनार और अलाई दरवाजा जैसी उल्लेखनीय मस्जिदों और कब्रों का निर्माण हुआ।

5. धार्मिक बहुलवाद**:**

- भारत की धार्मिक विविधता दिल्ली सल्तनत के दौरान भी जारी रही। जबकि शासक अभिजात वर्ग मुस्लिम थे, अधिकांश आबादी हिंदू बनी रही।
- अकबर जैसे कुछ सुल्तानों ने धार्मिक सहिष्णुता और समन्वयवाद को बढ़ावा दिया।

6. अस्वीकार**:**

- दिल्ली सल्तनत को आंतरिक कलह, क्षेत्रीय विद्रोह और बाहरी ताकतों के आक्रमण का सामना करना पड़ा।

- 1398 में तैमूर के आक्रमण और 1526 में बाबर के अधीन मुगल साम्राज्य की अंततः स्थापना ने दिल्ली सल्तनत के पतन में योगदान दिया।

7. विरासत:

- दिल्ली सल्तनत ने भारत की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत पर अमिट प्रभाव छोड़ा।
- इसने मुगल साम्राज्य की नींव रखी, जिसने भारत पर शासन करना जारी रखा और सल्तनत के प्रशासनिक और वास्तुशिल्प नवाचारों पर निर्माण किया।

8. ऐतिहासिक अभिलेख:

- दिल्ली सल्तनत का इतिहास विभिन्न ऐतिहासिक ग्रंथों और शिलालेखों में दर्ज़ है, जिनमें मिन्हाज-ए-सिराज और ज़ियाउद्दीन बरनी जैसे इतिहासकारों के लेख भी शामिल हैं।

LEARNING MANTRAS